समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(बी.एस.डब्ल्यू.ई. - तृतीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2019-2020

पाठ्यक्रम शीर्षक

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–003 : समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–005 : एच.आई.वी./एड्स का परिचय

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–006 : मादक द्रव्य दुरुपयोग और परामर्श

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई, 2019 सत्र – मार्च 31, 2020

जनवरी, 2020 सत्र – सितम्बर 30, 2030

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

बी.एस.डब्ल्यू, तृतीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-003, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-005, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-006 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। सत्रीय कार्य हस्तलिखित और साफ तौर पर टाईप और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।

सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष है। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

(डॉ. सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक
email : sayantaniguin@ignou.ac.in
Ph. : 011-29571697

समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) लिंग और लैंगिक अन्याय की अवधारणा पर चर्चा करें। समाज में प्रचलित किसी एक प्रकार की असमानता को स्पष्ट करें। 20

अथवा

समुदाय संगठन के मूल्यों पर सिद्धांतों की व्याख्या की व्याख्या करें। 20

2) POSDCoRBEF का संक्षेप में वर्णन करें। 20

अथवा

एक सामाजिक/स्वैच्छिक संगठन की पंजीकरण प्रक्रिया का चित्रण करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

i) सामाजिक क्रिया को परिभाषित करें और इसके सिद्धांतों की व्याख्या करें। 10

ii) चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों की व्याख्या करें। 10

iii) भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में निहित सिद्धांतों पर प्रकाश डालें। 10

iv) उन मुद्दों का वर्णन करें जिनका सामना क्षेत्र कार्य अभ्यास के दौरान समुदायों के साथ काम करने में करते हैं। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

i) समुदाय संगठन और समुदाय विकास के बीच अंतर करें। 5

ii) न्यायपालिका और पुलिस की विभिन्न भूमिकाओं को सूचीबद्ध करें। 5

iii) समाज कार्य अनुसंधान में कदमों का उल्लेख करें। 5

iv) संरचित और असंरचित संगठन के बीच अंतर करें। 5

v) भारत में स्वास्थ्य प्रणाली पर लिखें। 5

vi) मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विधान की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

i) साक्षात्कार अनुसूची 4

ii) मानसिक स्वास्थ्य 4

iii) बजट 4

iv) सामाजिक क्रिया की एक रणनीति के रूप में सहयोग 4

v) प्रारंभिक डिज़ाइन 4

vi) राष्ट्रीय कुष्ठ मिशन 4

vii) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2002 4

viii) केंद्रीय प्रवृत्ति के उपाय 4

एच.आई.वी./एड्स का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई–005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) एचआईवी उत्पत्ति के बारे में विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा करें। 20

अथवा

एचआईवी और एड्स पर कार्य स्थल नीति का वर्णन करें। 20

2) मरनासन्न बीमार एचआईवी रोगियों की देखभाल करने वाले की भूमिका की व्याख्या करें। 20

अथवा

एचआईवी जोखिम जनसंख्या विशेषकर समलैंगिकों, सीएसडब्ल्यू और एमएसएम के साथ काम करने में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

i) प्रशामक देखभाल क्या है? पारंपरिक प्रशामक देखभाल और एड्स प्रशामक देखभाल में भेद करें। 10

ii) समुदाय के लिए एचआईवी/एड्स के प्रभाव पर चर्चा करें। 10

iii) भारत में एचआईवी/एड्स के इतिहास का संक्षेप में वर्णन करें। 10

iv) एचआईवी के अनिवार्य परीक्षण का आमतौर पर विरोध क्यों किया जाता है? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

i) देखभाल की निरंतरता के विभिन्न घटकों को सूचीबद्ध करें। 5

ii) मां से बच्चे में एचआईवी संचारण के तीन तरीके क्या हैं? 5

iii) एसटीडी के लिए निवारक उपायों की व्याख्या करें। 5

iv) आश्रम देखभाल क्या है? 5

v) एचआईवी/एड्स शिक्षा की योजना के कदमों का उल्लेख करें। 5

vi) भारत में एचआईवी से पीड़ित लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनों की चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

i) संकट परामर्श 4

ii) अवसरवादी संक्रमण 4

iii) जोखिम समूह 4

iv) एलिसा जांच 4

v) खिड़की अवधि 4

vi) मादक द्रव्यों के सेवन की संवेदनशीलता 4

vii) थैलासीमिया 4

viii) सूचना, शिक्षा, संचार (IEC) 4

मादक द्रव्य दुरुपयोग और परामर्श
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई–006
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मादक द्रव्यों के सेवन पर भारतीय परिदृश्य की चर्चा करें। 20

अथवा

एचआईवी पॉजिटिव जांच परिणाम वाले व्यक्ति की काउंसलिंग करते समय जिन मुद्दों पर चर्चा करने की आवश्यकता है, उनकी व्याख्या करें। 20

2) परामर्श को परिभाषित करें। संचार प्रक्रिया की व्याख्या और किसी भी दो संचार मॉडल पर चर्चा करें। 20

अथवा

मादक द्रव्यों के सेवन या एचआईवी/एड्स के संबंध में शिक्षा को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

i) एक अच्छे परामर्शदाता की सामान्य विशेषताएं क्या हैं? संक्षेप में व्याख्या करें। 10

ii) एनडीपीएस अधिनियम 1985 की गंभीरता से जांच करें। 10

iii) ड्रग के खतरे से निपटने में गैर सरकारी संगठनों द्वारा निभाई गई भूमिका पर चर्चा करें। 10

iv) नशीली दवाओं के दुरुपयोग से संबंधित कुछ प्रमुख सिद्धांतों पर प्रकाश डालें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

i) सह–निर्भरता क्या है? 5

ii) पारस्परिक संचार के गुणों को सूचीबद्ध करें। 5

iii) लत के सामाजिक निहितार्थ क्या हैं? 5

iv) नशीलों दवाओं के दुरुपयोग से जुड़े दीर्घकालिक भौतिक खतरों पर प्रकाश डालें। 5

v) मनोचिकित्सा और परामर्श के बीच अंतर करें। 5

vi) ड्रग और नशीली दवाओं के दुरूपयोग से संबंधित कुछ मिथकों को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

i) अंतरण 4

ii) विरेचन (catharsis) 4

iii) एल्कोहलिक्स एनोनिमस (AA) 4

iv) भूमिका निभाना 4

v) संकट परामर्श 4

vi) अलगाव की भावना 4

vii) समूह उपचार 4

viii) आदिवासी समूहों के बीच नशीली दवाओं का दुरूपयोग 4